हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 307 : जौनपुर, मंगलवार 08 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

कांग्रेस 4 दशक तक नहीं समझ सकी पंचायती राज प्रणाली लागू करना कितना जरूरी है : मोदी

एजेन्सी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के राज में पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए सोमवार को विपक्षी दल को आड़े हाथ लिया और कहा कि आजादी के चार दशक बाद तक पार्टी को यह समझ नहीं आया कि गांवों में पंचायती राज प्रणाली लागू करना कितना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये फरीदाबाद के सूरजकुंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो दिवसीय कार्यक्रम 'हरियाणा क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद' का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस के राज में पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए।'' मोदी ने कहा कि देश आज विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने और 'अमृत काल' के प्रस्तावों को साकार करने की दिशा में एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इस अमृत काल की 25 वर्ष की यात्रा के दौरान हमें पिछले दशकों के अनुभवों को भी याद रखना होगा।''

मोदी ने कहा, ''आजादी के चार दशकों तक कांग्रेस यह नहीं समझ पाई कि गांवों में पंचायती राज व्यवस्था

लागू करना कितना जरूरी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बाद में स्थापित जिला पंचायत प्रणाली को भी उसके हाल पर छोड़ दिया। मोदी ने कहा, '' इसका नतीजा यह हुआ कि गांवों में रहने वाली देश की दो–तिहाई आबादी को सड़क, बिजली, पानी, बैंक और मकान जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए तरसना पड़ा... इस लापरवाही की वजह से आजादी के सात दशक बाद भी देश के लगभग 18,000 गांवों में बिजली नहीं पहुंच सकी थी।'' उनकी सरकार द्वारा किसानों के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''मोदी की गारंटी चुनावी वादा नहीं है। मोदी जब गारंटी देता है तो उसे जमीन पर भी उतारता है।'' सूरजकुंड में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़ और अन्य नेता भी मौजूद थे। कार्यक्रम में जम्मू–कश्मीर और लद्दाख सहित भाजपा से जुड़े उत्तर भारत के राज्यों के जिला परिषद अध्यक्ष, जिला पंचायत प्रमुख सहित कुल 182 प्रतिनिधि शामिल हुए। नड्डा ने कहा कि अगली कार्यशाला 12–13 अगस्त को पश्चिम बंगाल के हावड़ा में आयोजित की जाएगी जिसमें 134 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने कभी पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया और कांग्रेस शासन में अधिकतर कार्य कागजों तक सीमित रहे एवं जम्मू–कश्मीर इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कने के बाद पहली बार वहां जिला स्तर पर ग्राम पंचायत चुनाव कराए गए। वहां जमीनी स्तर पर स्थापित लोकतंत्र में पहली बार 33 हजार प्रतिनिधियों का चुनाव संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि आज देश एकजुट होकर विकसित भारत के लक्ष्य को मूर्त रूप देने और 'अमृत काल' के संकल्पों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा, ''विकसित भारत का मार्ग टियर–2, टियर–3 शहरों और गांवों से होकर गुजरता है। मुख्य शहरों से दूर के कस्बों और छोटे शहरों में उम्मीद की नयी किरण एवं ऊर्जा दिखाई देती है।'' उन्होंने प्रतिनिधियों से कहा, '' पंचायतों के पास किसी भी क्षेत्र में बदलाव की ताकत है और इसलिए इस संदर्भ में भाजपा प्रतिनिधियों के तौर पर आपकी भूमिका बहुत अहम बन जाती है।'' भाजपा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें पंचायती प्रणाली के लाभ को कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक ले जाना है। उन्होंने कहा, ''आज केंद्र सरकार प्रत्येक योजना की शत प्रतिशत संतृप्तता के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। यह तभी संभव है जब हम इस लक्ष्य को प्रत्येक गांव में हासिल करें।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''जब हम 100 प्रतिशत लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचा देंगे तब 'जातिवाद, परिवारवाद, मेरा–तेरा' नहीं बचेगा। वास्तविक सामाजिक न्याय के भाव के साथ भ्रष्टाचार की कोई आशंका नहीं होगी।'' मोदी ने कहा कि गत नौ साल में किसानों के लिए कई योजनाएं शुरू की गईं।

मणिपुर में हिंसा को लेकर उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों में हंगामा

एजेन्सी

मणिपुर। मणिपुर मुद्दे पर सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों में हंगामा हुआ और प्रदर्शन कर रहे विपक्षी दलों ने पूर्वोत्तर राज्य में जातीय संघर्ष की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव लाने का दबाव डाला, उन्होंने सवाल किया, ''क्या हम इसकी निंदा करने के लिए एक प्रस्ताव पारित नहीं कर सकते?'' विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अनुरोध ठुकराते हुए सदस्यों से राज्य के मुद्दे तक सीमित रहने के लिए कहा। यादव ने कहा, ''उत्तर प्रदेश देश का

जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। समाजवादी पार्टी (सपा), राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) और कांग्रेस के सदस्य मणिपुर में जारी हिंसा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बयान देने की मांग करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। शून्यकाल के दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मणिपुर मुद्दा ''गंभीर'' है। सबसे बड़ा राज्य है और प्रधानमंत्री भी यहां अपने निर्वाचन क्षेत्र से राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए कम से कम मणिपुर हिंसा पर, हमें उम्मीद है कि आप (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) बोलेंगे और इसकी निंदा करेंगे।'' मोदी वाराणसी से लगातार दूसरी बार लोकसभा सांसद हैं।

अखिलेश यादव ने यह भी कहा, ''सदन के नेता (योगी आदित्यनाथ) भाजपा के स्टार प्रचारक हैं। आप किस राज्य में वोट मांगने नहीं जाते? कम से कम आज मौका तो है कि आप कुछ कहकर देश की आवाज बन सकते हैं। और अगर आपको इसके लिए हमारे समर्थन की आवश्यकता है, तो हम तैयार हैं। आज, आप साबित कर सकते हैं कि आपके पास भी अपनी आवाज है।'' विपक्षी दलों की मांग को खारिज करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि परंपरा और परिपाटी सदन में इस मामले को उठाने की अनुमति नहीं देती है। यादव को जवाब देते हुए अध्यक्ष ने कहा, ''यहां सभी ने इसकी निंदा की है, लेकिन विधानसभा दूसरे राज्यों के बारे में नहीं बोल सकती।'' अध्यक्ष ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष, आप बहुत सक्षम हैं और आपको इसे राजनीतिक रूप नहीं देना चाहिए। जो कुछ हुआ वह बेहद गलत था। चर्चा वहीं होगी जहां घटना हुई है। अगर बंगाल और केरल में कुछ हो रहा है, तो इसे यहां गलत या सही नहीं कहा जा सकता।'' अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा की मांग भी ठुकरा दी, जिन्होंने कहा कि सूचीबद्ध कामकाज को स्थगित कर इस मामले को सदन में उठाया जाए।

मप्र : 15 अगस्त के बाद महाकाल लोक में सप्तर्षियों की छह नई मूर्तियां स्थापित की जाएंगी

एजेन्सी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के महाकाल लोक गलियारे में 15 और 20 अगस्त के बीच सप्तऋषियों की छह नई मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। शहर में तेज हवाओं के कारण 28 मई को सप्तऋषियों (सात ऋषियों) की सात में से छह मूर्तियाँ ढह गईं। महाकालेश्वर मंदिर के बाहर चारों ओर विकसित महाकाल लोक गलियारे में 10 फीट की ये मूर्तियां स्थित थीं। उज्जैन के जिलाधिकारी कुमार पुरुषोत्तम ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि फाइबर– प्लास्टिक (एफआरपी) से छह मूर्तियां मुंबई में तैयार की जा रही हैं और वे स्वतंत्रता दिवस से पहले उज्जैन पहुंच जाएंगी तथा उन्हें 15 और 20 अगस्त के बीच महाकाल लोक में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ठेकेदार और आपूर्तिकर्ता को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली मूर्तियां भेजने के लिए कहा गया है। उनका कहना था कि एक टीम ने मुंबई का दौरा किया है जहां मूर्तियां तराशी जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों से कहा था कि जो मूर्तियां गिरने से क्षतिग्रस्त हो गईं उनकी मरम्मत कराने के बजाय नई मूर्तियां स्थापित की जाएं। करीब 900 मीटर लंबा 'महाकाल लोक' गलियारा पुरानी रुद्र सागर झील के चारों और फैला हुआ है। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के आसपास के क्षेत्र के पुनर्विकास की परियोजना के तहत रुद्र सागर झील को पुनर्जीवित किया गया है। गलियारे के लिए दो भव्य प्रवेश द्वार–नंदी द्वार और पिनाकी द्वार बनाए गए हैं। यह गलियारा मंदिर के प्रवेश द्वार तक जाता है तथा मार्ग में मनोरम दृश्य पेश करता है। महाकाल मंदिर के नवनिर्मित गलियारे में 108 स्तंभ बनाए गए हैं, 910 मीटर का यह पूरा गलियारा इन स्तंभों पर टिका होगा। महाकवि कालिदास के महाकाव्य मेघदूत में महाकाल वन की परिकल्पना को जिस सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया है, सैकड़ों वर्षों के बाद उसे साकार रूप दे दिया गया है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 200 किलोमीटर दूर उज्जैन स्थित 856 करोड़ रुपये की महाकालेश्वर मंदिर गलियारा विकास परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन पिछले अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को बड़ी राहत, आगरा कोर्ट ने सजा पर लगाई रोक

एजेन्सी

आगरा। इटावा से भाजपा के सांसद रामशंकर कठेरिया की सजा पर रोक लग गई है। आगरा कोर्ट ने राम शंकर कठेरिया की सजा पर रोक लगा दी है। दरअसल, 12 साल पुराने मामले में एमपी–एमएलए कोर्ट ने शनिवार को कठेरिया को 2 साल की सजा सुनाई थी। इसके अलावा 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सजा सुनाए जाने के बाद भाजपा सासंद की लोकसभा सदस्यता जाने पर तलवार लटकी हुई थी। आगरा कोर्ट के फैसले से उन्हें बड़ी राहत मिली है। इससे पहले कठेरिया ने कहा था कि मैं अपने अधिकार का प्रयोग करूंगा और मुझे विश्वास है मुझे न्याय मिलेगा।

आध्यात्मिक पर्यटन में पुडुचेरी के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता : मुर्मू

एजेन्सी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि उन्हें यह

जानकर खुशी हुई कि केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक पर्यटन में पुडुचेरी के सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता है। पुडुचेरी की अपनी पहली यात्रा के दौरान जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि पुडुचेरी 'आध्यात्मिक पर्यटन के लिए एक अद्भुत गंतव्य' है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक पर्यटन एक वैश्विक प्रवृत्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, ''आध्यात्मिक पर्यटन में पुडुचेरी में सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षमता है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पुडुचेरी में पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत कई कदम उठाए हैं। इससे पहले, जेआईपीएमईआर में कैंसर रोगियों के इलाज के लिए 17 करोड़ रुपये के अत्याधुनिक उपकरण का उद्घाटन करने के बाद राष्ट्रपति ने कहा कि यह सुविधा रेडियो थेरेपी जोखिम को कम करेगी। उन्होंने पड़ोसी विल्लियानूर में 10.51 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित आयुष अस्पताल का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत इसका निर्माण किया गया है और यह चिकित्सा की तीन प्रणालियों आयुर्वेद, सिद्ध और होम्योपैथी के तहत सस्ती और संपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदान करेगा। साक्षरता और शिक्षा के क्षेत्र में पुडुचेरी द्वारा किए गए विविध विकास की सराहना करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि पुडुचेरी ने विभिन्न संस्कृतियों के मिलन का प्रदर्शन किया और इस कहावत की भावना पर खरा उतरा कि यहां 'अनेकता में एकता' है। पुडुचेरी की उपराज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने राष्ट्रपति का स्वागत पहले ओडिया में, फिर अंग्रेजी तथा तमिल में किया। मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने क्षेत्रीय सरकार द्वारा हाशिये पर पड़े और जरूरतमंद वर्गों की मदद के लिए लागू की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया। इससे पूर्व, चेन्नई से पुडुचेरी हवाई अड्डा पहुंचने पर राष्ट्रपति का उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों ने स्वागत किया।

गुरुग्राम में मजार में लगाई आग, एफआईआर दर्ज, धारा 144 लागू

एजेन्सी

गुरूग्राम। गुरुग्राम के एक गांव में कुछ अज्ञात लोगों ने सोमवार को तड़के एक मजार में आग लगा दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के मूल निवासी और मजार की देखरेख करने वाले घसीटे राम द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, रविवार रात साढ़े 8 बजे जब वह खांडसा गांव में मजार से फिरोज गांधी कॉलोनी स्थित अपने घर के लिए निकले तो सब कुछ सामान्य था। उन्होंने सेक्टर 37 पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में कहा ''रात लगभग एक बजकर 30 मिनट पर मुझे मजार के पास रहने वाले किसी व्यक्ति का फोन आया कि कुछ अज्ञात लोगों ने इसे आग लगा दी है।श्श उन्होंने बताया कि लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। राम ने प्राथमिकी में कहा, लेकिन जब मैंने वहां जाकर देखा, तो मजार में चढ़ाई गई सामग्री जल चुकी थी। मुझे पता चला है कि 5–6 युवा वहां इकट्ठे हुए और मजार में आग लगा दी। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है और समाज में दंगे हो सकते हैं। उन्होंने मांग की कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। राम ने कहा कि वह करीब सात साल से मजार की देखरेख का काम कर रहे हैं और उन्होंने सभी धर्मों के लोगों को वहां श्रद्धा सुमन अर्पित करते देखा है। उन्होंने सोमवार को सुबह बताया '' यह पीर बाबा की दशकों पुरानी मजार है और सभी ग्रामीण यहां आस्था से नमन करते हैं। हो सकता है कि कुछ बाहरी लोगों ने मजार में आग लगाई हो। यह घटना तब हुई है जब पिछले हफ्ते पड़ोसी जिले नूंह में शुरू हुई सांप्रदायिक झड़पें गुरुग्राम के कुछ हिस्सों में फैल गयीं जिसके बाद गुरुग्राम में धारा 144 लागू कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 34 (सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य), 153 ए (विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना), 188 (एक लोक सेवक द्वारा विधिवत प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा), 436 (घर को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से शरारत) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

गहलोत ने नवसृजित जिलों का किया उद्घाटन

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के नवसृजित जिलों का सोमवार को यहां वर्चुअली उद्घाटन किया। श्री गहलोत ने जयपुर में बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बटन दबाकर नवीन जिलों की उद्घाटन शिला पट्टिकाओं का अनावरण किया। इससे पहले उन्होंने पूजा–अर्चना एवं हवन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यक्रम में भाग लेते हुए नवसृजित जिलों में आयोजित स्थापना समारोहों से वर्चुअली जुड़े। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने की।

अमित शाह ने राज्यसभा में पेश किया दिल्ली सेवा बिल, कांग्रेस बोली, यह संविधान के खिलाफ

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को राज्यसभा में दिल्ली सेवा विधेयक पेश किया। दिल्ली सेवा बिल के सदन में पेश होने पर उसपर चर्चा हुई। वहीं बिल पर बहस करते हुए कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि दिल्ली में भय का माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली में सुपर सीएम बनाने की कोशिश की जा रही है। सिंघवी ने कहा कि दिल्ली सेवा बिल संविधान के खिलाफ है। वहीं दिल्ली सेवा विधेयक के राज्यसभा में पेश किए जाने की संभावना के बीच कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को अपने सांसदों को व्हिप जारी कर उनसे सोमवार को संसद के उच्च सदन में मौजूद रहने को कहा था। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 गुरुवार को लोकसभा से पारित हो गया था। 'आप ने भी अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर उनसे सोमवार तथा मंगलवार को राज्यसभा में मौजूद रहने को कहा है। मई में, केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया था जिससे सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का कोई प्रभाव नहीं रहेगा जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रशासन में ''सेवाओंश्श का नियंत्रण दिल्ली सरकार को दिया गया था। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के 26 दल विधेयक को पारित करने के सरकार के कदम को विफल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे, भले ही संख्या बल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में है।

लोक सभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आमने-सामने होंगे मोदी और राहुल

एजेन्सी

नयी दिल्ली सुप्रीम कोर्ट द्वारा सजा पर रोक लगाए जाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सांसदी सोमवार को फिर से बहाल हो गई। इसके बाद यह माना जा रहा है कि राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा में शामिल हो सकते हैं। ज्यादा संभावना इस बात की है कि राहुल गांधी मंगलवार को ही विपक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत कर सकते हैं। हालांकि इस संबंध में अंतिम फैसला राहुल गांधी को ही करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब 10 अगस्त को दे सकते हैं। ऐसे में लोक सभा के पटल पर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी आमने–सामने होंगे और एक दूसरे पर राजनीतिक हमला करते नजर आएंगे। दरअसल, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा 26 जुलाई को दिए गए नोटिस पर ही मोदी सरकार के खिलाफ यह अविश्वास प्रस्ताव आ रहा है, जिस पर सदन में चर्चा की शुरुआत 8 अगस्त, मंगलवार को होनी है। नियमों के अनुसार, चूंकि नोटिस कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की तरफ से दिया गया है इसलिए विपक्ष की तरफ से चर्चा की शुरुआत उन्हें ही करना है। लेकिन गौरव गोगोई अगर चाहें तो वह सदन में अपनी जगह बोलने के लिए राहुल गांधी का नाम प्रस्तावित कर सकते हैं।

पायल कारोबारी की हत्याकांड,राष्ट्रीय वैश्य परिषद ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेन्सी

आगरा। पायल कारोबारी की हत्या के मामले में दोषी पुलिसकर्मियों की बर्खास्तगी और पुराने मुकदमे में आरोपी राकेश चौधरी पर कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय वैश्य परिषद ने पीड़ितों परिजनों के साथ काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वैश्य समाज के लोग पचकुइयां स्थित माथुर वैश्य सभागार के बाहर धरने पर बैठ गए। व्यापारी विनोद गुप्ता के हत्यारों को सजा की मांग के साथ परिवारीजनों को मुआवजा व नौकरी की भी मांग की गई, जिससे उनक घर परिवार चल सके। माथुर वैश्य सभागार के बाहर प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने प्रदर्शन रोकने की बात कही गई। इस पर राष्ट्रीय वैश्य परिषद के सदस्यों व कार्यकारी अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने कहा कि हम अपने परिसर के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक हमारी सुनवाई नहीं होगी प्रदर्शन करते रहेंगे। पुलिस ने प्रदर्शन सड़क पर करने के बजाय सभागार के अन्दर करने की बात कही। इस बात पर मृतक विनोद गुप्ता की बेटी शैली गुप्ता व भाई प्रमोद गुप्ता से भी नोंक झोंक हुई। विनय अग्रवाल ने बताया कि 10 अगस्त को सुबह 10 बजे माथुर वैश्य सभागार पंचकुईयां पर वैश्य समाज के लोग एकत्रित होंगे। जहां से जुलूस के रूप में पुलिस कमिश्नरी (पुलिस लाइन) पहुंचकर घेराव किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में वैश्य समाज के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। जिससे पीड़ित परिवार को जल्दी से जल्दी न्याय दिलाया जा सके। यदि आगरा में न्याय नहीं मिला तो राष्ट्रीय वैश्य परिषद लखनऊ जाकर घेराव करेगी। मृतक की बेटी शैली गुप्ता ने कहा कि राजेश चौधरी को बचाने वाली कमला नगर पुलिस और उनकी पिता को तलाशने में लापरवाही बरतने वाले ट्रांस यमुना थाने के पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया जाना चाहिए।

ऑर्डर, राजस्व बढ़ने से मीशो मुनाफे में आई : सीईओ

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ई–कॉमर्स कंपनी मीशो एकीकृत आधार पर जुलाई में मुनाफे में आ गई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मीशो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदित आत्रे ने कहा कि पिछले 12 महीने में कंपनी के ऑर्डर की संख्या 43 प्रतिशत बढ़ी है।

सम्पादकीय

इमरानः क्या से क्या हो गया

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तोशाखाना केस में गिरफ्तारी में कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है। इससे पहले भी अब्दुल कादिर ट्रस्ट घोटाले में उनकी गिरफ्तारी हो गई थी। तब पाकिस्तान में कोहराम मच गया था और इमरान समर्थकों ने देश में उत्पात मचाया था और लोगों ने सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाते हुए सरकारी सम्पधत्तियों को नुक्सान पहुंचाया था तब उच्च अदालतों से जमानत लेकर इमरान बच निकले थे। पाकिस्तान में समय–समय पर पूर्व प्रधानमंत्रियों पर गाज गिरती रही है। जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी की सजा दे दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को भी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में डाला गया था, बाद में 7 साल वह निर्वासन में रहीं। 2007 में वतन वापसी के बाद आत्मघाती हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हो या यूसुफ रजा गिलानी या फिर शाहिद ठाकान अब्बासी भी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा चुके हैं। मौजूदा प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को भी मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है और करीब 7 महीने बाद उन्हें लाहौर की कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया था। पाकिस्तान की नियति यही रही है कि वह हुक्मरानों के भ्रष्टाचार का शिकार होता रहा और आज पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र के रूप में पूरी दुनिया के सामने है। अदालत द्वारा इमरान खान को तीन साल की सजा सुनाए जाने के बाद वह पांच साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। हालांकि उन्होंने सजा के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी है और उनके पास अनेक कानूनी विकल्प हैं। यह भविष्य के गर्त में है कि पाकिस्तान की सियासत में उनका गेम ओवर होगा या नहीं। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने इमरान हालांकि आखिरी ओवर तक खेलने का दम रखते हैं लेकिन ऐसा लगता है कि इस बार उनका अपना बल्ला ही विकेट को छू गया। इमरान खान की कहानी भी पवेलियन से पिच तक और पिच से मैदान के बाहर जाने तक जैसी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों के ऐसे छक्के छुड़ाए हैं जिन्हें वह कभी भूल नहीं सकते। इमरान खान का राजनीति में आना कोई अचानक होने वाली घटना नहीं थी। इसके लिए कई सालों तक इंतजार किया और मेहनत की थी। यह भी सभी जानते हैं कि उनका इलैक्शन कम और सेना की सिलैक्शन ज्यादा था। 2018 में जब इमरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने नया पाकिस्तान और रियासत–ए–मदीना के सपने दिखाए थे। तब ऐसे लगा था कि पड़ोसी मुल्क में अच्छे–अच्छे बदलावों की बयार आएगी। पाकिस्तान आतंकवाद मजहबी हिंसा और भ्रष्टाचार के चंगुल से निकल कर लोकतंत्र के रास्ते पर आ जाएग। इमरान खान ने भी अपने भाषणों में नए पाकिस्तान और रियासत–ए–मदीना का तड़का लगाकर लोगों को खुशफहमी का अहसास कराया लेकिन लोगों की खुशफहमी धीरे–धीरे खत्म हो गई। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान में हमेशा ही आधा–अधूरा लोकतंत्र रहा है और सेना ने लगातार बार–बार लोकतंत्र को अपने बूटों के नीचे रौंदा है। इमरान का सत्ता में रहते ही सेना के साथ टकराव शुरू हो गया। इमरान ने पीएम पद को सेना के प्रभाव से मुक्त करने की कोशिश की, लिहाजा फौज से उनका टकराव हो गया। इमरान खान पर आरोप लगा कि वे पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा के कार्यकाल को विस्तार नहीं देना चाहते थे और वे इसे टालने की कोशिश करते रहे। इसके अलावा उन्होंने बाजवा के चहते जनरल नदीम अंजुम को आईएसआई के चीफ पद पर नियुक्ति में भी टालमटोल की। ये ऐसी घटनाएं थी जिससे सेना के साथ उनका टकराव लगातार होता रहा।पिछले साल जब विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उन्हें हटाने की कोशिश की तो आर्मी ने इसे विदेशी साजिश करार दिया और इसके पीछे अमेरिका का हाथ बताया। अमेरिका पर कई चीजों के लिए निर्भर पाकिस्तानी सेना और हुक्मरानों के लिए ये बेहद ही विकट स्थिति थी। हालात ऐसे हुए कि पाकिस्तानी सेना को इसके लिए सफाई भी देनी पड़ी। सेना से टकराव को लेकर इमरान ने अपनी वो बैसाखी तोड़ दी जिसके सहारे पाकिस्तान का हुक्मरान लोकतंत्र की इमारत पर जैसे–तैसे टिका रहता है। इमरान खान की रंगीन मिजाजियों और एक के बाद एक शादियों के किस्से भी मशहूर होते गए और उन पर भ्रष्टाचार के शर्मसार कर देने वाले आरोप लगे। इसमें जादू–टोने के लिए मशहूर उनकी पत्नी बुशरा बीवी और सहेलियों का नाम भी आया। इमरान खान पर बतौर पीएम मिले उपहार बेच–बेच कर पैसा कमाने का आरोप भी लगा। इमरान ने भारत के विरुद्ध जहर उगलने में कोई कसर नहीं छोड़ी और आतंकवाद को खत्म करने में भी कोई भूमिका नहीं निभाई। सरकार गिरते ही उनके बुरे दिन शुरू हो गए। जैसा कि पाकिस्तान की राजनीति का दस्तूर है, इमरान के खिलाफ केस खुलते गए। शाहबाज सरकार ने इमरान की पार्टी पर शिकंजा कसना शुरू किया तो एक–एक करके इमरान की पार्टी पीटीआई के नेता उन्हें छोड़ गए। इमरान समर्थकों द्वारा घिंसक प्रदर्शनों के बाद सरकार द्वारा बरती गई सख्ती के चलते इमरान कमजोर होते गए और इस बार उनकी गिरफ्तारी के बाद ज्यादा विरोध देखने को नहीं मिला। हो सकता है कि इमरान को फिर से जमानत मिल जाए लेकिन उन पर चलाए जा रहे अनेक केसों में वह कब तक बचते रहेंगे यह देखना बाकी होगा। सेना उनको पूरी तरह से खत्म करने पर अमादा है और शाहबाज सरकार आम चुनावों का ऐलान करने वाली है। फिहाल यही कहा जा सकता है कि क्या से क्या हो गया, नया पाकिस्तान बनाने चले थे फिसल गई पूरी कमान।

ज्ञानवापी का वैज्ञानिक सर्वेक्षण

मेरा अभी भी यह दृढ़ मत है कि काशी विश्वनाथ धाम परिसर में स्थित ज्ञानवापी क्षेत्र को मुस्लिम बन्धुओं को हिन्दुओं को सौंप देना चाहिए और स्वतन्त्र भारत की एकता व 'गंगा–जमुनी' तहजीब में इजाफा करने के लिए अपना बड़ा दिल दिखाना चाहिए। काशी या बनारस हिन्दू मान्यता के अनुसार स्वयं भगवान शंकर द्वारा बसाया गया वह स्थान है जिसमें शहनाई वादन के शहंशाह उस्ताद बिस्मिल्ला खां ने अपनी धुनों से भोलेनाथ को मनाया और शंकर–शंभू जैसे महान कव्वालों ने ''हजरत मोहम्मद सलै–अल्लाह–अलै–वसल्लम'' की शान में 'नात' गाया। काशी के विश्वनाथ धाम के बारे में ऐतिहासिक दस्तावेज आज भी संग्रहालय में सुरक्षित हैं कि 1669 में औरंगजेब ने इसका विध्वंस करने का फरमान जारी किया था। इसी प्रकार उसने मथुरा के केशवदेव मन्दिर को भी क्षति पहुंचाने का आदेश दिया था। बेशक यह उस दौर की राजनीति में राजशक्ति दिखाने की कोई रणनीति रही होगा जबकि औरंगजेब के शासन में पूरे मुगल सम्राटों के शासन के मुकाबले सर्वाधिक 'हिन्दू मनसबदार' थे। मगर यह इतिहास का सच तो है ही अतः मुसलमानों को इसे स्वीकार करना चाहिए और भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए फराखदिली दिखानी चाहिए। आज के दौर की राजनीति में मुस्लिम बन्धुओं की यह फराखदिली मुल्क की सियासत की फिजां को खुशनुमा बना सकती है और इसकी एकता को मजबूत कर सकती है। मगर इसके साथ ही हिन्दुओं को भी मुसलमान बन्धुओं को यह यकीन दिलाना होगा कि इसके बाद वे हर मस्जिद में हिन्दू निशान ढूंढना बन्द कर देंगे और मुसलमानों के खिलाफ अनर्गल दुष्प्रचार बन्द कर देंगे। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ज्ञानवापी क्षेत्र का पुरातात्विक सर्वेक्षण शुरू हो चुका है जो वैज्ञानिक तरीके से यह पता लगायेगा कि क्या वास्तव में हिन्दू शास्त्रों में वर्णित ज्ञानवापी क्षेत्र को औरंगजेब के शासनकाल में मस्जिद का रूप दिया गया था और हिन्दू पूजा क्षेत्र के ऊपर ही मस्जिद की गुम्बदें बनवा दी गई थीं अथवा यह मस्जिद पहले से ही मौजूद थी। यह घटना बेशक 17वीं सदी की थी मगर ज्ञानवापी की दरो–दीवार चीख–चीख कर यही कहती है कि किसी मन्दिर के भग्नावशेषों पर मस्जिद खड़ी कर दी गई, जो इस्लाम की नजर में भी नाजायज है। हिन्दू धर्म के नवजात झंडाबरदारों को भी यह मालूम होना चाहिए कि 1959 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी केवल मथुरा व काशी को ही इसके मूल

हिन्दू स्वरूप में स्थापित करने की मांग की थी। उस समय अयोध्या का कोई जिक्र नहीं था मगर 80 के दशक में देश की राजनीति ने जो करवट बदली उसके केन्द्र में अयोध्या में राम मन्दिर बनाने की मांग जोर पकड़ गई जिसकी पहल शुरू में कांग्रेस पार्टी ने ही की थी और इसके अगुवा विष्णुहरि डालमिया व उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेता बाबू दाऊ दयाल खन्ना थे। बाद में इस आन्दोलन को भाजपा नेता श्री लालकृष्ण अडवानी ने कब्जा लिया। जबकि हकीकत यह भी है कि अयोध्या की कथित बाबरी मस्जिद में आजादी के बाद 1949 में ही रात्रि में रामलला की मूर्तियां रखी गई थीं और हो–हल्ला हो गया था कि मूर्तियां प्रकट हुई हैं। उस समय फैजाबाद के जिलाधीश रहे स्व. आर.के. नैयर की पूरे मामले की रिपोर्ट में यह दर्ज है। अयोध्या में उस समय दंगे भड़क जाने पर वह राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री स्व. गोविन्द बल्लभ पन्त के पास गये और उन्होंने नैयर को अदालत में जाने की सलाह दी। अदालत ने वहां ताला लगवा दिया जिसे स्व. राजीव गांधी के शासनकाल में खोला गया। अयोध्या में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर अब मन्दिर निर्माण हो रहा है जिसकी प्रसन्नता भारतवासियों में है और मुस्लिम नागरिक भी इसके विरुद्ध नहीं हैं। मगर काशी व मथुरा का मामला पूरी तरह अलग है क्योंकि इन स्थानों का औरंगजेब के काल में धार्मिक चरित्र बदला गया और बाकायदा शाही फरमान जारी करके बदला गया। अतः भारत की धर्मनिरपेक्ष ताकतों का भी यह कर्त्तव्य बनता है कि समूचे भारत की एकता व गंगा–जमुनी तहजीब की हिफाजत के लिए वे मुसलमानों को सलाह दे कि इन धार्मिक स्थानों को हिन्दुओं को सहर्ष सौंप दिया जाये और उनसे अपेक्षा की जाये कि भविष्य में वे किसी अन्य मुस्लिम धार्मिक स्थान पर किसी प्रकार का विवाद नहीं खड़ा करेंगे। इसकी असली वजह यह है कि इतिहास में जो हो चुका है उसके लिए न तो आज की हिन्दुओं की पीढ़ी जिम्मेदार है और न मुसलमानों की। आज की दुनिया 17वीं सदी की दुनिया नहीं है कि भारत में राजे–रजवाड़ों और बादशाहों का शासन हो। आज भारत में लोकतन्त्र है और हर नागरिक के पास बिन भेदभाव के एक वोट का अधिकार है जिसका प्रयोग करके हर पांच साल बाद वह अपनी मनपसन्द की सरकार बनाता है। इस वोट को हम हिन्दू–मुसलमान में नहीं बांट सकते क्योंकि यह भारत के हर नागरिक को दिया गया है जिसका शासन संविधान के अनुसार चलता है और संविधान का कोई मजहब नहीं होता। भारत के मुसलमान देशभक्ति में किसी हिन्दू से पीछे नहीं रहे हैं। देश की सरहदों से लेकर नागरिक प्रशासन के मोर्चे पर मुस्लिम सैनिकों और अधिकारियों ने हमेशा संविधान की रक्षा करने का काम ही किया है और भारत माता का माथा ऊंचा किया है। चाहे वह ब्रिगेडियर उस्मान हों या हवलदार अब्दुल हमीद अथवा उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव रहे स्व. महमूद बट्ट। संगीत के क्षेत्र से लेकर सेना तक में भारतीय मुसलमानों ने कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अतः काशी और मथुरा का विवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है जिसे दोनों सम्प्रदाय बैठकर सुलझा ही न सकें।

विस्थापन का दंश झेल रहे कनहर के विस्थापित

दिनकर कपूर

80 बीघा के काश्तकार जमालुद्दीन कनहर बांध में जमीन डूबने से पूरी तौर पर तबाह हो गए हैं। 1976 में जब परियोजना शुरू हुई तो उनके पूर्वजों को बेहद कम मुआवजा दिया गया। बाद में सरकारों ने बांध का निर्माण नहीं कराया और वह अपने परिवार के साथ वहीं बसे रह गए। 2015 में जब बांध का निर्माण कार्य शुरू हुआ तो सभी लोगों ने सरकार से 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के तहत मुआवजा की मांग की लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। उलटा आंदोलन करने पर मुकदमे कायम हुए और कई लोगों को जेल जाना पड़ा। सरकार द्वारा दिया गया 7 लाख 11 हजार रुपए का विस्थापन पैकेज ऊंट के मुंह में जीरा के समान है जिससे परिवार का भरण पोषण करना बेहद कठिन है। रमेश खरवार पुत्र सहदेव खरवार निवासी कोरची को सरकार के विस्थापन पैकेज का लाभ नहीं मिला। उसका खेत और मकान डूब गया, कनहर विस्थापित कॉलोनी में जो जमीन मिली है बांस बल्ली लगाकर उससे बनी झोपड़ी में अपनी पत्नी और 3 बच्चों के साथ रह रहा है। इस भीषण बरसात में कभी भी झोपड़ी गिर सकती है। रोजगार न मिलने और झोपड़ी के गिरने के भय से रात भर उसका परिवार सो नहीं पाता है। सुंदरी के निवासी मुख्तार आलम के तीन बेटे हैं जाबिर हुसैन, साबिर हुसैन और कादिर हुसैन का नाम तो विस्थापन पैकेज में था लेकिन सरकारी शासनादेश के बावजूद उनके बेटों का नाम विस्थापन सूची में नहीं है

और आज वह जमीन से बेदखल हो कर इस भीषण महंगाई में किसी तरह अपने परिवार की जीविका चला रहे हैं। कोरची गांव की 50 बीघे के किसान बिंदेश्वरी की एकमात्र पुत्री राजमनिया और 20 बीघे के काश्तकार सुंदरी निवासी जसीमुद्दीन की पुत्री बेबी का नाम विस्थापन सूची में नहीं है जबकि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के अनुसार बेटी भी पुत्र के न रहने पर पिता की संपत्ति में हकदार है। यह हालत कनहर विस्थापित कॉलोनी में लोगों का दर्द सुनने गई आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की टीम को लोगों ने बताई। टीम ने देखा कि विस्थापन का दंश कितना भयावह होता है इसे विस्थापित लोग ही महसूस कर सकते हैं। कितने लोगों का खिलखिलाता परिवार बिखर गया, कितनी बेटियों का मायका खत्म हो गया और कितने का जीवन वीरान हो गया। लेकिन सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा यह है कि विस्थापित कालोनी में लोगों को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा पूर्ण जीवन जीने के अधिकार से भी वंचित कर दिया गया है और उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया नहीं कराई जा रही हैं। विस्थापित बस्ती की हालत यह है कि वहां जो अस्पताल बना है वह चालू नहीं है, उसमें ताला लटका हुआ है, ना वहां डॉक्टर है और ना दवाओं का कोई इंतजाम है। विस्थापितों ने बताया कि विद्यालय में 1000 बच्चे पढ़ते हैं लेकिन मात्र दो अध्यापक हैं। अध्यापकों की नियुक्ति न होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। विस्थापित कालोनी में ना तो सड़क बनाई गई है और ना ही शौचालय। परिणामतः कभी भी वहां बड़ी महामारी फैलने का खतरा है। नाली में जाम है और सफाई का कोई इंतजाम नहीं है। यह हालत तब है जब कनहर बांध को लेकर बड़ी–बड़ी बातें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कही जाती हैं। गौरतलब है कि 1976 में सोनभद्र की दुद्धी तहसील के ग्राम अमवार में कनहर और पांगन नदी पर कनहर सिंचाई परियोजना का शिलान्यास किया गया था। उस समय किसानों को जमीन का मुआवजा दिया गया। लेकिन मकान और भूमिहीन लोगों को कोई मुआवजे का वितरण नहीं किया गया। बाद में सरकार ने इस परियोजना का काम रोक दिया और लंबे समय तक परियोजना लंबित पड़ी रही। 2015 में परियोजना का निर्माण कार्य फिर शुरू कराया गया लेकिन सरकार ने मुआवजा देने से साफ मना कर दिया। जबकि भूमि अधिग्रहण कानून 2013 की धारा 24 के अनुसार यदि 5 वर्ष तक अधिग्रहित भूमि पर निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाता है तो वह अधिग्रहण शून्य माना जाएगा और विस्थापित लोगों को पुनरू मुआवजा देना चाहिए। इस मांग पर चले आंदोलन पर अखिलेश सरकार ने भीषण दमन ढाया। बड़े बुजुर्गों, महिला समेत सैकड़ों लोगों पर मुकदमें कायम किए गए, कईयों को जेल जाना पड़ा, दर्जनों लोगों पर जिला बदर की कार्यवाही हुई और पूरे विस्थापित क्षेत्र में आतंक का राज कायम कर दिया गया। बहरहाल 2016 से शुरू हुआ निर्माण कार्य अब जाकर पूरा हुआ है। सरकार ने 1044 मूल विस्थापित परिवार चिन्हित किए थे जिनकी तीन पीढ़ी को घ711000 का विस्थापन पैकेज दिया जाना था। सरकारी सूची के 4143 परिवारों में से लगभग 200 ऐसे परिवार हैं जिन्हें विस्थापन पैकेज अभी तक नहीं दिया गया। इसी तरह बाद में जोड़े गए प्रपत्र छह के 424 परिवारों में से लगभग 390 परिवारों को अभी तक विस्थापन पैकेज का लाभ नहीं मिल पाया है। यह भी गौर करने लायक है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के अनुसार पुत्रियां भी पिता की पुश्तैनी जमीन में अधिकार प्राप्त करती हैं। बावजूद इसके सरकार द्वारा जो सूची बनाई गई उसमें विस्थापितों की लड़कियों को शामिल नहीं किया गया और उन्हें विस्थापन पैकेज से वंचित कर दिया गया। इसी तरह जिन लोगों के पास प्रपत्र 3 या 11 है अर्थात जिनका मकान बना था लेकिन सूची में उनका नाम नहीं था वह भी विस्थापन पैकेज के लाभ से वंचित कर दिए गए हैं। अगर विस्थापितों की मानें तो बधाडू में 66, गोहडा में 60, अमवार में 158, कुदरी में 122, बरखोहरा में 346, सुगवामान 331, कोरची में 733, भीसुर में 425, सुंदरी में 776, लाम्बी में 88, रन्दह में 18 लगभग 3100 परिवार विस्थापन पैकेज के लाभ से वंचित हो गए हैं।

केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और डबल इंजन सरकार की ताकत का बार–बार बड़ा प्रचार किया जाता है। लेकिन कनहर में हालत यह है कि 1050 करोड़ रूपए केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना में पिछले एक वर्ष से लंबित है। लेकिन ना तो इसके बारे में उत्तर प्रदेश की सरकार और ना ही केंद्र सरकार चिंतित है। परिणाम स्वरूप कनहर बांध का काम अधूरा है, नहरें बन नहीं पा रही हैं और विस्थापितों को भी मुआवजा प्राप्त नहीं हो पा रहा है।

आज का राशिफल

मेष :– निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। कायरे के अत्याधिक बोझ से मन परेशान होगा। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

बृषभ :– काफी सारे अवरोधित कायरें के हल होने के आसार बनेंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन :– जीविका क्षेत्र में कार्यकुशलता का जौहर बिखेरेंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन केंद्रित होगा। महत्वहपूर्ण क्षेत्रों में उच्चस्तरीय लोगों का सहयोग मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन चिंतित होगा। परिजनों से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा। आवेश में किये गये कार्य से हानि संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाई का अभास होगा। किसी नये कार्य की सार्थकता हेतु मन प्रयत्नशील होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कुछ कठिनाइयों सेस मन नकारात्मकता से पभावित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की तैयारी में समुचित साधन–व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

तुला :– कार्यकुशलता व बौद्धिक क्षमता से जीविका क्षेत्र सफलता अर्जित करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की ब्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। किसी नये रिश्ते में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी।

धनु :– सुंदर भावनात्मक अभिव्यक्ति से निकट संबंधों में अच्छी छबि बनेगी। नैतिक जिम्मेदारियों में आपकी सजगता काबिले तारीफ होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– भावनाओं से उद्वेलित मन से गलतियां स्वभाविक हैं। किसी नये कार्य के प्रति मन केंद्रित होगा। निकट संबंधों में किसी की कटु वाणी मन को दुखित करेगी।

कुंभ :– कुछ नई जिम्मेदारियां मन पर दबाव बनाएंगी। अच्छी व्यवहार कुशलता से समाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन :– जीवन की कठिनाइयों के कारण मन में हीन भावना न आने दें। अपनी क्षमताओ पर भरोसा रखें।

राहुल को रोकने की शर्मनाक हठ

गुजरात की निचली कोर्ट एवं हाईकोर्ट द्वारा एक अवमानना मामले में राहुल गांधी को सुनाई गई सजा पर चाहे देश की सबसे बड़ी अदालत ने रोक लगा दी हो लेकिन लगता है कि उनकी लोकसभा में वापसी आसानी से नहीं होने वाली है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला देकर उनका संसद में लौटने का मार्ग तो प्रशस्त कर दिया, परन्तु लोकसभा के सचिवालय द्वारा जो बर्ताव किया गया है उससे साफ संकेत हैं कि सरकार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी हरसंभव हथकंडे अपनाएगी कि राहुल संसद में दोबारा न बैठ सकें।

2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कोलार (कर्नाटक) में हुई एक जनसभा में राहुल ने कुछ भगोड़े कारोबारियों पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि इन सबके सरनेम मोदी हैं। गुजरात के एक पूर्णेश मोदी ने यह कहकर उनके खिलाफ अवमानना की शिकायत दर्ज कर दी कि इससे मोदी सरनेम वाले लोग आहत व अपमानित हुए हैं। महानगरीय दण्डाधिकारी ने इस मामले के पुनर्जीवित होते ही सुनवाई की और राहुल को अवमानना का दोषी पाते हुए उन्हें दो साल की सजा सुना दी। सत्र न्यायालय और फिर गुजरात हाईकोर्ट ने भी राहुल की अपीलों को दरकिनार कर दो साल की सजा बरकरार रखी। पहले प्रार्थी ने इस मामले को स्वयं ही लम्बित कराए रखा था परन्तु जब राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके व्यवसायी मित्र गौतम अदानी के संबंधों पर पहले अपनी भारत जोड़ो यात्राश (कन्याकुमारी से कश्मीर) के दौरान और फिर लोकसभा में सवाल उठाए तो पूर्णेश मोदी ने मामले की पुनरू सुनवाई करने का आवेदन प्रस्तुत किया। गुजरात की निचली कोर्ट ने तेज गति सुनवाई करते हुए राहुल को दो साल की सजा सुना दी जो इस अपराध में अधिकतम है।

गुजरात की हाईकोर्ट ने भी उतनी ही गति से इस फैसले पर मुहर लगा दी। परिणामस्वरूप व नियमानुसार तत्काल राहुल की सांसदी निलम्बित हो गई। उतनी ही फुर्ती से उनका बंगला छिन लिया गया– बगैर उनका पक्ष सुने। इसके बावजूद राहुल का मोदी सरकार पर आक्रमण जारी रहा। जैसी कि आशंका थी कि राहुल को गुजरात की सीमा में न्याय मिलना मुश्किल है, वैसा ही हुआय और जैसा कि अनुमान था कि उन्हें न्याय सुप्रीम कोर्ट से ही मिल सकेगा– वह भी वैसा ही हुआ।

दरअसल राहुल की बढ़ती लोकप्रियता और जन समर्थन मोदी व भाजपा के लिए परेशानी बनी हुई है। उनके पैदल मार्च ने राहुल का कद काफी बढ़ा दिया है। मोदी सरकार की नाकामियों, मोदी–अदानी संबंधों, देश में बढ़ते साम्प्रदायिक तनाव और धार्मिक आजादी के हनन जैसे मुद्दों को लेकर राहुल देश–विदेश में पीएम की मुश्किलें बढ़ा चुके हैं। मोदी की गिरती छवि और राहुल को मिलती नयी पहचान के साथ हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मिली चुनावी सफलताओं से कांग्रेस का उत्साह बुलन्द है। उसके नेतृत्व में बने विपक्षी गठबन्धन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इनक्लूजिव एलाएंस) की सरकार के खिलाफ सामूहिक आक्रामकता संसद के दोनों सदनों में देखने को मिल रही है। मणिपुर हिंसा को रोकने में केन्द्र की नाकामी के मुद्दे पर नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। मेवात (नूंह) में हुई घटनाएं मोदी सरकार की परेशानी में इजाफा कर रही हैं। दोनों सदन ठप हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ खुलकर सत्ता पक्ष को बचा रहे हैं।

राहुल के बिना ही लोकसभा में सरकार पस्त है। मोदी व भाजपा की चिंता यह है कि राहुल लौटे तो क्या होगा। करीब चार माह से अधिक समय से वे संसद में नहीं हैं। लौटने पर वे अदानी तक सीमित नहीं रहेंगे। सरकार की सारी नई नाकामियां भी उनके भाषणों में जगह पायेंगी। कहीं अविश्वास प्रस्ताव पर राहुल को बोलने का मौका मिल गया तो मोदी की रही–सही छवि पूर्णतरू ध्वस्त हो जायेगी। इस संभावित खतरे से मोदी, उनकी सरकार और लोकसभा अध्यक्ष सभी वाकिफ हैं। इसलिये जब शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट का फैसला राहुल के पक्ष में आया तो उसकी प्रति लेकर विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी देर शाम तक भटकते रहे। सचिवालय में कोई लेने के लिए राजी नहीं था।

शनिवार को छुट्टी होना बतलाया गया और कहा गया कि अब वे आदेश की प्रति लेकर सोमवार को मिलें। हालांकि चौधरी अध्यक्ष कार्यालय में प्रति देने में कामयाब तो रहे परन्तु पावती पर कार्यालय की मुहर नहीं लगाई गई।

साफ है कि सरकार राहुल के संसद प्रवेश को रोकने के लिए सारी हदें पार कर सकती है। 8 व 9 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी है। देखना होगा कि राहुल को इसमें भाग लेने का मौका मिलता है या नहीं। 11 को तो सत्रावसान होना ही है, पर कहीं राहुल से बचने के लिये पहले ही ऐसा न हो जाये।

लोग ओम बिरला की वही तत्परता राहुल की संसद बहाली के मामले में भी देखना चाहते हैं जैसी उन्होंने कोर्ट का आदेश आते ही राहुल को निलम्बित करने में दिखलाई थी। महीने भर का नोटिस देकर बंगला भी खाली करा लिया था। उधर इटावा के सांसद व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रामशंकर कठेरिया को शनिवार को आगरा की एक कोर्ट ने एक मॉल में तोड़–फोड़ व मार–पीट करने के मामले में दो साल कारावास की सजा सुनाई है।

इस मामले में भी अध्यक्ष महोदय की तत्परता देखने को लोग उत्सुक हैं। जो हो, राहुल को सदन में प्रवेश से रोकने की हठधर्मिता अनैतिक व अलोकतांत्रिक तो है ही, कानून के प्रति असम्मान भी। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के उस ट्वीट पर भी गौर करना होगा जिसमें उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के संदर्भ में कहा है कि बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी? उनका ईशारा राहुल के खिलाफ जारी अन्य मामलों की ओर है।

नैक टीम ने छात्रावास के कमरे, मेस का किया निरीक्षण, विद्यार्थियों से जाना हाल

पुरातन छात्रों और अभिभावकों के साथ विभिन्न मुद्दों पर किया संवाद

नैक पीयर टीम ने पुस्तकालय के पूरे सिस्टम को कंप्यूटर पर बैठकर देखा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के लिए आई टीम ने एकलव्य स्टेडियम, इनडोर स्टेडियम की खेल सुविधा, पुस्तकालय, हेरिटेज आर्ट गैलरी, हेल्थ सेंटर, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र, छात्रावासों, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल, रज्जू भैया भौतिकी शोध एवं अध्ययन संस्थान, डीएसडब्ल्यू, इंजीनियरिंग के पावर सिस्टम प्रोटेक्शन लैब समेत अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पुरातन छात्रों और अभिभावकों के साथ विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया।

मंगलवार की सुबह सबसे पहले टीम के सदस्य इनडोर स्टेडियम पहुंचे। स्टेडियम में पिछले पांच सालों में अर्जित किए ट्रॉफी, अवार्ड, शील्ड का अवलोकन किया। खिलाड़ियों ने कुश्ती, तीरंदाजी और अन्य खेलों का प्रदर्शन नैक पीयर टीम के समक्ष किया। एकलव्य स्टेडियम में टीम के सदस्यों को परंपरागत साफा बांधकर स्वागत किया गया। इस दौरान खेलकूद परिषद के अध्यक्ष और महामंत्री समेत सभी कर्मचारी शामिल थे। इसके बाद विवेकानंद केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुस्तकालय का भ्रमण किया। मानद लाइब्रेरियन प्रो. मानस पांडेय ने लाइब्रेरी की मुख्य सुविधाओं के बारे में प्रकाश डाला। विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में डॉ विद्युत मल ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पुस्तकालय की सुविधाओं को टीम के सामने प्रस्तुत किया। नैक पीयर टीम के चेयरमैन ने कंप्यूटर पर खुद बैठकर ऑनलाइन किताबों और ऑनलाइन जर्नल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही केंद्रीय पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को टीम ने देखा। हेरिटेज गैलरी का निरीक्षण कर स्थानीय उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की और राम मंदिर और अयोध्या के मॉडलों को मोबाइल में भी कैद किया।

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य भवन का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की बारीकी से जानकारी ली विश्वविद्यालय के चिकित्सक डॉ पुनीत सिंह ने टीम को सुविधाओं से अवगत कराया।

ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल में समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को बताया। डीएसडब्ल्यू ऑफिस में प्रो. अजय द्विवेदी ने पावर पॉइंट के माध्यम से सभी डाटा पेश किया। उन्होंने विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के साथ–साथ 552 कॉलेजों के लिए बनाई गई भावी योजनाओं को भी बताया। रज्जू भैया भौतिकी शोध एवं अध्ययन संस्थान के हाईटेक उपकरणों का अवलोकन किया। साथ ही संस्थान में चल रही परियोजनाओं की भी जानकारी ली।

इसके बाद आर्यभट्ट सभागार में कर्मचारियों और विद्यार्थियों से रूबरू हुई नैक पीयर टीम। टीम में मधुसूदन विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कमलजीत सिंह के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम आई है। टीम के साथ प्रो. मानस पांडेय, प्रो. सुरजीत यादव, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो. मुराद अली, डा. गिरधर मिश्र, डा. पुनीत धवन, डा. प्रवीण सिंह. डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. धर्मेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

कायस्थ महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 जौनपुर इकाई की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट के अध्यक्षता में उनके मियांपुर आवास पर सम्पन हुई संचालन जिला महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया।

सर्वप्रथम भगवान चित्रगुप्त जी के चित्र पर दीपप्रज्वलन व पुष्प अर्पित मुख्य अतिथि कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट,व राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट व राष्ट्रीय सचिव राजीव कुमार श्रीवास्तव (एल आई सी) ने किया।

मुख्य अतिथि संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 का स्थापना दिवस व राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली के कांस्टीचुस्न क्लब ऑफ इंडिया सभागार में 2,3,4,5 सितंबर को आयोजित किया गया है जिसमे देशभर के कायस्थ बंधु भाग लेंगे ।

राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने कहा कि दिल्ली राष्ट्रीय अधिवेशन एक मिल का पत्थर साबित होगा जो कायस्थों में जागरूकता पैदा करेगा उक्त अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर के नेता व जनप्रतिनिधि सामिल होंगे।

प्रदेश सचिव उमेश श्रीवास्तव फूफा प्रदेश संगठन सचिव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, ने कहा कि कायस्थ महासभा 2150 के राष्ट्रीय संयोजक मनीष श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में संगठन का विस्तार राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है व लोगो का जुड़ाव तेजी से हो रहा है।

युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार व जिला उपाध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट ऑडिटर दीवानी अधिवक्ता संघ व जिला उपाध्यक्ष शिवशंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ऑडिटर कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ ने कहा कि जिले में कायस्थ महासभा 2150 का सदस्यता अभियान जौनपुर में चलाया जायेगा व ज्यादा से ज्यादा चित्रांश बंधुओं को जोड़ा जाएगा।

जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने के लिए जौनपुर के कायस्थ बंधु एक सितंबर को शाम को ट्रेन से रवाना होंगे।

उक्त अवशर पर प्रदेश सचिव अनुपम श्रीवास्तव,जिला उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव एडवोकेट, जिला संगठन सचिव संजीव श्रीवास्तव राजू ,जिला उपाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव एडवोकेट ,जिला सचिव अरुण वर्मा ,जिला मीडिया प्रभारी संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, जिला कोषाध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव एडवोकेट, जिला सचिव आशु श्रीवास्तव सहित अनेक चित्रांश बंधु मौजूद रहे।

अंत में कायस्थ समाज के संरक्षक प्रदीप श्रीवास्तव डी ओ की पत्नी के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

बच्चों को कराएं स्तनपान, पास नहीं आएगी बीमारी

विश्व स्तनपान सप्ताहः–
World Breastfeeding Week
'माँ एवं शिशु दोनों की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है स्तनपान'

आपके लाडले में प्रतिरोधक बढ़ाकर बीमारियों से बचाता है स्तनपान

जौनपुर। आधुनिकता की चकाचौंध व कामकाजी महिलाओं की व्यस्त जीवनशैली नौनिहालों को अमृत रूपी आहार से दूर करता जा रहा है। इसका प्रतिफल है कि बच्चे कम उम्र में ही कई बीमारियों की चपेट में आ जा रहे हैं। तेजी से बढ़ रही इस विकृति पर रोक के लिए हर साल एक से सात अगस्त तक विश्वस्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। पूरे विश्व में नए थीम व नई उम्मीद के साथ इसकी शुरुआत हुई। माँ के दूध से जुड़ी इन्हीं खासियतों से जनमानस को अवगत करवाने के लिए तीर्थराज हॉस्पिटल भी इस साप्ताहिक सरोकार में हमसफर हुआ है। इसी कड़ी में रविवार को स्तनपान कराने से ममतामयी मां व बच्चे को होने वाले लाभ के बारे में जाने व इस पर अमल करें।

बीमारियों का खतरा कम

स्तनपान कराने वाली महिलाओं में मधुमेह, स्तन कैंसर, ओवरी के कैंसर और पोस्टपार्टम डिप्रेशन का खतरा कम रहता है। पैसों की बचत, दूध गर्म करने और बाजार से खरीदने का खर्च नहीं रहता। स्तनपान करने वाले बच्चे सामान्य बच्चों की तुलना में कम बीमार पड़ते हैं, इसलिए आपको बार–बार डाक्टर के पास नहीं जाना पड़ता।

तनाव कम होता है

बच्चा जहां मां की गोद में अधिक सुरक्षित अनुभव करता है, वहीं मां को भी बच्चे के साथ थोड़ा समय मिल जाता है। शिशु की त्वचा के संपर्क में आने से महिलाओं में आक्सीटोसिन नामक हार्मोन बनता है, जिससे तनाव कम होता है।

अधिक वजन से छुटकारा

स्तनपान कराने वाली महिलाओं को अधिक कैलोरीज की आवश्यकता होती है जिससे वजन कम होता है और यूटेरस भी जल्दी आकार में आ जाता है।

क्यों जरूरी है स्तनपानः–

– स्तनपान शिशु के लिए संपूर्ण पूरक और पोषक आहार है

– यह हर मौसम में सही तापमान पर बच्चे के शरीर में पहुंचता है

– स्तनपान करने वाले शिशु सामान्य शिशुओं की तुलना में कम बीमार पड़ते है।

कोलस्ट्रम और उसके फायदे

मां के पहले दूध में कोलस्ट्रम पाया जाता है। कोलस्ट्रम पीले रंग का गाढ़ा दूध होता है जो कि शिशु को रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। बच्चे के जन्म के दो से चार दिन के बाद यह सामान्य दूध में बदल जाता है। समय से पहले पैदा हुए बच्चों के लिए कोलस्ट्रम और भी आवश्यक है।

– कोलस्ट्रम में अधिक मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, मिनरल और इम्यूनोग्लोबुलिन नामक पदार्थ पाए जाते हैं,जो शिशु की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बेहतर बनाते हैं

– शिशुओं को पेट की समस्याओं से बचाता है कोलस्ट्रम

–भारी मात्रा में प्रोटीन, विटामिन मिनरल होने के कारण कोलस्ट्रम शिशु की हड्डियों के विकास के लिए और संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है

– कोलस्ट्रम शिशु को संक्रामक रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है

किस उम्र के बच्चे को स्तनपान कराना चाहिए

– नवजात शिशु को पहले 6 महीनों तक सिर्फ मां का दूध देना चाहिए, यहां तक की पानी भी नहीं देना चाहिए।

– मां के दूध में पर्याप्त मात्रा में पानी भी होता है इसलिए बच्चों को पानी की भी आवश्यकता नहीं होती।

–6 महीनों के बाद शिशुओं को मा के दूध के साथ ठोस आहार देना शुरू करना चाहिए।

– शिशु का आहार तैयार करते समय साफ –सफाई का खास ख्याल रखना चाहिए

– शिशु का आहार तैयार करने से पहले हाथ साबुन से जरूर धोलें

–बच्चे को ताजा और पोषक आहार दे। जब शिशु मा के दूध से ठोस आहार की ओर जाता है तो ऐसे में शिशु में पोषण की कमी होने का खतरा अधिक रहता है

– ठोस आहार के साथ मा का दूध कम से कम दो साल तक शिशु को देना चाहिए।

शिशुओं को स्तनपान कराने के लाभ

– स्तनपान करने वाले शिशुओं में पेट की समस्याएं कम होती हैं क्योंकि मां का दूध आसानी से पच जाता है

– मां का दूध नवजात शिशु को एलर्जी,डायरिया, उलिटया लगने और कान के संक्रमण से बचाता है

– बढ़ते शिशु को उसकी आवश्यकतानुसार मां का दूध सही मात्रा में प्राप्त होता है

– स्तनपान बच्चों में जन्म के समय होने वाली बीमारियों के खतरे को कम करता है

–भविष्य में होने वाली बीमारियों की भी सम्भावना कम करता है जैसे डायबिटीज, पेट की समस्याएं, कैंसर , रक्तचाप आदि ।

डॉक्टर मुकेश शुक्ल
(नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ)
विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

पेंशनर्स अपनी मांगों के लिए 20 सितंबर को करेंगे जिला पर प्रदर्शन

ब्यूरो जौनपुर। सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के जनपद शाखा की बैठक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर भवन में अध्यक्ष सीबी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने आगामी 20 सितंबर को होने वाले जनपद स्तरीय धरना प्रदर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला साथ ही सभी पेंशनर्स साथियों से कैशलेस चिकित्सा कार्ड शीघ्र बनवाने की अपील किया। गत बैठक से अब तक बने नए सदस्य एवं नवीनीकरण की संख्या से सदन को अवगत कराते हुए सभी उपस्थित सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में नए सदस्य बनाने योग बने हुए सदस्यों के नवीनीकरण में सहयोग की अपील किया।

बैठक में वक्ताओं ने पेंशनरों की मांग पर सरकार की उदासीनता पर आक्रोश व्यक्त करते हुए जनपद स्तर पर होने वाले धरने में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आश्वासन सदन को दिया गया, बैठक में सिंचाई विभाग पीडब्ल्यूडी एवं चिकित्सा सेवानिवृत्त पेंशनर्स के चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावों को लंबे समय तक तकनीकी प्रशिक्षण हेतु लंबित रहने की स्थिति से अवगत कराया जिस पर सदस्यों ने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी से पत्राचार करने का सुझाव दिया।

बैठक को मुख्य रूप से सर्वश्री कंचन सिंह ओंकार नाथ मिश्रा केके तिवारी प्रमोद कुमार सिंह हीरालाल आजाद राजेंद्र सिंह कृपा शंकर उपाध्याय विक्रमाजीत यादव व्यसन सिंह रामप्रवेश सिंह नंदलाल सरोज बीवी सिंह राम अवध लाल श्रीवास्तव कंचन सिंह मंजू रानी राय चंद्रशेखर सिंह डॉक्टर भारत यादव कृष्ण कुमार त्रिपाठी रामकेश यादव हनुमान प्रसाद श्रीवास्तव सुखराम बलिराम यादव शारदा प्रसाद श्रीवास्तव दशरथ राम मिथिलेश जायसवाल रामाश्रय रजक लालचंद यादव कालिका प्रसाद शंभू नाथ यादव कमलेश द्विवेदी पारसनाथ आदि ने विचार व्यक्त किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्य के प्रति अध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त करते हुए आगामी मांह सितंबर की मासिक बैठक एवं 20 सितंबर को होने वाले जनपदीय प्रदर्शन धरना में बड़ी संख्या में उपस्थित की अपील करते हुए सभा समाप्त की घोषणा की गई । बैठक का संचालन जिला मंत्री राजबली यादव एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी ने किया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद में होने वाली विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारी से सम्बन्धित बैठक मंगलवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/पंचायत को निर्देशित किया कि 09 अगस्त से 15 अगस्त तक होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के तहत समस्त शहीद स्मारक व शहीद स्तंभ पर साफ–सफाई एवं माल्यार्पण का कार्यक्रम कराएं तथा सरकारी कार्यालयों व शाहीपुल व अन्य महत्वपूर्ण स्मारकों को प्रकाशमान करने का कार्यक्रम किया जाए। इसके साथ ही सभी सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण रूप से साफ–सफाई और चूने आदि का छिड़काव कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। सभी सरकारी/अर्धसरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों में 15 अगस्त 2023 को वजारोहण के समय किसी भी जनपद स्तरीय अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश देय नहीं होगा सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रातः 7.00 बजे से 8.00 बजे तक प्रभातफेरी कराई जाए। प्रातः 10.00 बजे से समस्त शिक्षा संस्थानों में ध्वजारोहण के पश्चात खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि सचल दल, एम्बुलेंस सहित चिकित्सा आदि से संबंधित, यातायात व सुरक्षा से संबंधित समस्त आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध रहे।प्रातः 8.00 बजे जिलाधिकारीध्पुलिस अधीक्षकध्मुख्य विकास अधिकारी आदि समस्त सरकारीध्अर्धीर सरकारी कार्यालयोंध्भवनों पर वजारोहण एवं प्रतिज्ञा का स्मरण प्रत्येक ग्राम सभा एवं विकासखंड मुख्यालय पर भी ध्वजारोहण के उपरांत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को माल्यार्पण सम्मान तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ0 भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल शहीद स्मारक एवं अन्य महापुरुषों की मूर्तियों पर मार्ल्यापण किया जायेगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रातः 6.30 बजे से क्रॉस कंट्री रेस कुत्तुपुर तिराहे से प्रारंभ होकर स्टेडियम तक कराई जाए।

प्रातः 11.00 बजे से मलिन बस्ती मतापुर में स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पूर्व सभी मलिन बस्तियों में पूर्ण रुप से साफ–सफाई व चूने आदि का छिड़काव अधि0 अधिकारी नगर पालिका परिषदध्नगर पंचायत द्वारा कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

सायं 6.00 बजे टाउन हॉल, नगर पालिका परिषद जौनपुर में जनसभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति से संबंधित व्याख्यान होंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 रामअक्षयबर चौहान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कई प्रदेश की लोक नृत्यों का छात्रों ने किया प्रस्तुतीकरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार की देर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य एवं विश्वविद्यालय में आई नैक पीयर टीम ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। कार्यक्रम में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शिव पार्वती नृत्य, माईम, समूह नृत्य, गायन, भरतनाट्यम के साथ–साथ विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रदेश की संस्कृति को भी अपने प्रस्तुति में दिखाया। माईम प्रस्तुति में छात्रों ने देशभक्ति एक्ट प्ले करके लोगों को भावुक भी किया और एक जवान के शहीद होने पर उसके घर की स्थितियां क्या होती है, इसको दिखाया। कार्यक्रम का संचालन हिदायत फात्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अनु त्यागी ने किया। इस मौके पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव बबिता, अजीत सिंह, दीपक सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश पाथडीकर, प्रो. मुराद अली, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ मनोज मिश्र, डॉ. राजकुमार, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ सुनील कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ रसिकेश, डॉ मनोज कुमार पांडेय, डॉ विनय वर्मा, डॉ. करुणा निराला, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्या, सहित विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं मौजूद रहें।

जेसीआई चेतना ने आयोजित की राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई इंडिया के द्वारा आयोजित पूरे भारत में 7 अगस्त के दिन राष्ट्रीय स्तर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता आयोजित की गई है जिसमें पूरे भारत से लगभग 2 लाख बच्चे भाग ले रहे हैं, इसी क्रम में जौनपुर शहर से जेसीआई जौनपुर चेतना की अध्यक्ष सोनी जायसवाल के निर्देशन में मीना रिजवी गर्ल्स इंटर कॉलेज के बालिकाओं के बीच यह प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया स्कूल की प्रधानाचार्य तहसीम फातिमा ने संस्था के पदाधिकारियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे प्रतियोगिता से बालिकाओं में मानसिक विकास तेजी से विकसित होते हैं, सोनी जायसवाल ने बच्चों को परीक्षा देने के नियम के बारे में विस्तृत रूप से बताया यह परीक्षा नई शिक्षा नीति के तहत ब्डत आंसर शीट के द्वारा कराई जा रही है जिसमें जेसीआई इंडिया से प्रथम पुरस्कार घ्40000 से लेकर घ्4000 तक जीतने का सुनहरा मौका भी है और साथ में जेसीआई द्वारा एवार्ड भी दिया जाएगा साथ परीक्षा देने वाले सभी बच्चों को जेसीआई संस्था द्वारा सर्टिफिकेट से सम्मानित भी किया जा रहा है लगभग 100 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया इस प्रतियोगिता को संपन्न कराने में कार्यक्रम संयोजक निशा सिंघानिया, अनीता गुप्ता, ज्ञानेश्वरी गुप्ता, शारदा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा, प्रतियोगिता को सुचारू रूप से संपन्न कराने में मुक्ता कुशवाहा, अनवर फातिमा, प्रीति, सहाना का विशेष योगदान रहा !

मणिपुर की घटना से देश की हर बेटी के सम्मान का हनन हुआ

संवाददाता

लखनऊ। आराधना मिश्रा मोना, नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल,उ. प्र. ने कहा है कि आज उत्तर प्रदेश विधान सभा के ''मानसून सत्र'' के प्रथम दिन संयुकत विपक्ष ने मणिपुर में घटित हुई दुःखद एवं शर्मनाक घटना पर अपना विरोध दर्ज कराया। संपूर्ण विपक्ष ने संयुक्त रूप से सदन के पटल पर निन्दा प्रस्ताव पास करने का अनुरोध किया किन्तु सदन ने उसे स्वीकार नहीं किया। नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल की तरफ से इस प्रकरण को लेकर जोर शोर से अपना विरोध मा. सदन में दर्ज कराया गया । सदन में अपनी बात रखने का वे लगातार प्रयास करती रहीं, और अनुरोध करती रहीं किन्तु मणिपुर की घटना पर सदन ने निन्दा प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया और उन्हें बोलने का अवसर भी नहीं दिया।नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल ने कहा है कि आजाद भारत के इतिहास में ऐसी वीभत्स और निन्दनीय घटना पहले कभी नहीं हुई जैसी घृणित घटना मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई है।

पुरानी पेंशन बहाली मंच के तहत शिक्षकों ने बैठक

संवाददाता

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली मंच के तत्वावधान में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की एक बैठक लखनऊ विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में हुई। जिसको राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष ई हरिकिशोर तिवारी, महामंत्री शिवबरन यादव, उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष डा विरेन्द्र सिंह चौहान, महामंत्री प्रो प्रदीप सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के संयुक्त मंत्री डॉ नन्द लाल ने सम्बोधित किया।

सभी वक्ताओं ने एक स्वर में पुरानी पेंशन को अनिवार्य बताया और इसे लागू करने की सरकार से मांग की।

सिटी मजिस्ट्रेट के निलम्बन स्थानान्तरण तक जारी रहेगा अधिवक्ताओं का धरना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दीवानी न्यायालय संघ की साधारण सभा की बैठक संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र नाथ उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई। संचालन संघ के मंत्री अनिल कुमार सिंह ने किया। साधारण सभा की बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट देवेन्द्र प्रताप सिंह के निन्दनीय व विधि विरुद्ध कार्य की सर्व सम्मति से निन्दा की गयी तथा निम्न प्रस्ताव पारित किया गया– सर्व सम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि दिनांक– 09.08.2023 से संघ के सभी सदस्यगण ट्रांसफार्मर के पास साइकिल स्टैण्ड पर धरने पर बैठेंगे यह धरना तब तक चलेगा जबतक कि सिटी मजिस्ट्रेट का शासन द्वारा निलम्बन स्थानान्तरण नही कर दिया जाता है।, सभी अधिवक्तागण सुबह 10.30 बजे से सायं 03.00 बजे तक धरनास्थल पर मौजूद रहेंगे कोई भी अधिवक्ता न्यायालय परिसर में प्रवेश नही करेगा तथा 03.00 बजे के बाद न्यायालय परिसर में आकर तारीख नोट करेंगे। माननीय जिला जज व परिवार न्यायाधीश से यह अनुरोध किया जाता है कि मुकदमों में जनरल तारीख लगायी जाय तथा जिन मुकदमों में टी.आई. प्रार्थनापत्र व गैर हाजिरी प्रार्थनापत्र न दिया जाय उसमें उत्पीणनात्मक कार्यवाही न की जाय तथा अनुपस्थिति में वारण्ट न जारी किया जावे। प्रस्ताव की प्रति उचित कार्यवाही हेतु माननीय जिला जज व परिवार न्यायाधीश महोदय को प्रेषित की जाय।

अयोध्या समाजवादी पार्टी महानगर ने जन पंचायत स्थलों की घोषणा की

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो)। सुरेंद्र कुमार। समाजवादी पार्टी महानगर ने पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर बैठक कर जन पंचायत स्थलों की घोषणा की महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा जन पंचायत के लिए 15 सेक्टर बनाए गए हैं जो इस प्रकार है सेक्टर 1– हनुमान कुंड,,सीता कुंड, वशिष्ट कुंड मे एमजे पैलेस निकट पानी की टंकी सेक्टर 2 – परमहंस रामचंद्र, मणिराम दास छावनी, अशोक सिंघल मे होटल राजा राम पैलेस हाईवे सेक्टर 3 – रामकोट, देवकाली, अभिराम दास, लक्ष्मण घाट में रामप्रिया दास का हाता सिंगार हॉट सेक्टर4– जनौरा, लक्ष्मी सागर, कल्याण सिंह, श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेक्टर मे बृजलाल पासी आवास पांडे का पुरवा 5– दर्शन नगर, दशरथ कुंड, सरदार पटेल नगर मे मोहबरा बाजार सेक्टर 6 – चौधरी चरण सिंह, पंडित दीनदयाल, झलकारी बाई मे आर पी पैलेस के पास परिक्रमा मार्ग सेक्टर 7 – कर्पूरी ठाकुर, पुरुषोत्तम नगर मे राकेश पांडे के आवास मलिकपुर सेक्टर 8 – अवैध नाथ, साकेत नगर, देवकाली, महात्मा गांधी, अवधपुरी सेक्टर 9 – आचार्य नरेंद्र देव, अमानीगंज, राम मनोहर लोहिया, शहीद अब्दुल हमीद में कल्याण मंडप रोहिणी कॉलोनी बहादुरगंज सेक्टर 10 – महाराणा प्रताप, सरदार भगत सिंह, सावरकर नगर, लाला लाजपत नगर, कृष्णा नगर, मैं गायत्री नगर अब्बू सराय सेक्टर 11 – अटल नगर, हनुमत नगर, कौशलपुरी, संत रविदास मे पार्षद कार्यालय हनुमत नगर वार्ड सेक्टर 12 – निषाद राज, पाटेश्वरी नगर, अंबेडकर वार्ड, विक्रमादित्य नगर सेक्टर 13 – चंद्रगुप्त नगर, चंद शेखर, नानक पुरा, अग्रसेन नगर नानक पुरा गुरुद्वारा जसवीर सिंह सेठी सेक्टर 14 – कबीर नगर, अश्वनी पुरम, पार्वती मैरिज लान देवकाली चौराहा सेक्टर 15 – सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद, झारखंडी, अशफाक उल्ला खा, जयप्रकाश नारायण सेक्टर 16 – महानगर महिला सभा महानगर अध्यक्ष अपर्णा जयसवाल के निवास देवकाली महानगर पर आयोजित किया गया है महासचिव हामिद जाफर मीसम ने कहां सभी सेक्टरों में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जन पंचायत को सफल बनाने के लिए कहा गया है !

जनपद के सभी प्राइवेट स्कूल आज बंद

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। आजमगढ़ में छात्रा की मौत के मामले में प्रधानाचार्य व शिक्षक को जेल भेजने को लेकर उत्तर प्रदेश के सभी प्राइवेट विद्यालय बंद, शिक्षक और प्रधानाचार्य को जेल से रिहा करने की मांग, रिहा न करने पर एसोसिएशन आफ प्राइवेट स्कूल उत्तर प्रदेश अनिश्चितकालीन के लिए बंद कर सकता है स्कूल, काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने किया विरोध।

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला अज्ञात युवती का खून से लथपथ शव

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। ग्रामीणों के मुताबिक किशोरी ने गंगा सतलज एक्सप्रेस ट्रेन के सामने लेट कर की आत्महत्या, शिनाख्त करने में जुटी पुलिस, रुदौली कोतवाली के अयोध्या–लखनऊ रेल खंड के गुजरन पुरवा क्रासिंग के पास का मामला।

शहर के कौशलपुरी कॉलोनी में खुला नगर निगम का नया जोनल कार्यालय

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

जोनल कार्यालय में बनाया गया स्वच्छता कंट्रोल रूम, स्वच्छता कंट्रोल में बनाया गया वार रूम, वार रूम से लाइव फीड ली जाएगी संबंधित वार्डो के स्वच्छता की, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त विशाल सिंह ने नए जोनल कार्यालय का किया उद्घाटन, स्वच्छता रैंकिंग सुधारने का होगा प्रयास,वार रूम में महापौर ने लाइव जुड़कर फील्ड में कार्य कर रहे कर्मचारियों से लिया फीडबैक।

वांछित आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने सोमवार को चाकू से हमला करने वाले वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर श्री अश्विनी पाण्डेय ने चौकी प्रभारी नवीन मंडी सत्य प्रकाश यादव की मदद से मामूली बात पर पीड़ित को चाकू मारने वाले वांछित आरोपी अशोक कुमार लोध पुत्र रामकेवल लोध निवासी महोई नानकार थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर को नवीनमण्डी के दक्षिणी गेट हाइवे की तरफ वाले गेट के पास से गिरफ्तार किया।कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि उसने मई माह में मेरे व राजेश के बीच विवाद हो गया था जिसके चलते मैंने चाकू मार दिया था।

अयोध्या में सरयू नदी ने लिया रौद्र रूपरु खतरे के निशान के पास पहुंचा नदी का जलस्तर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।बहराइच के कतर्निया घाट स्थित सरयू बैराज से पानी छोड़ के जाने के कारण मंगलवार को अयोध्या में सरयू नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। नदी का जल स्तर खतरे के निशान से 10 सेमी नीचे बह रहा है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। आसमान में घने बादल होने के कारण सुबह के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि बारिश नहीं हुई। पहाड़ों पर हो रही मुसलाधार बारिश के चलते सरयू नदी का जलस्तर तेजी के साथ बढ़ रहा है। मंगलवार सुबह नौ बजे नदी का जलस्तर 92.630 पहुंच गया है। जो खतरे के निशान से दस सेमी नीचे है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार अयोध्या में 92.730 सेमी पर नदी जलस्तर का खतरे का निशान है। केंद्रीय जल आयोग के प्रभारी डॉ अमन चौधरी के मुताबिक सरयू नदी का जलस्तर आगामी 24 घंटों में खतरे के निशान को पार कर सकता है। पिछले 24 घंटों में जलस्तर में भारी इजाफा हुआ है। बाढ़ की संभावना को देखते हुए अटर्ल जारी किया गया, लोगों से सरयू नदी में गहरे पानी ने स्नान न करने की अपील की जा रही है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकरनगर समेत अन्य जनपदों में अलर्ट जारी किया या गया है।

अयोध्या में मंगलवार सुबह आसमान में काले घने बादल छाए हुए है। जिसके चलते सुबह के तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। सुबह का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य रहा। आचार्य नरेंद्र देव कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के मौसम विशेषज्ञ डॉ सीता राम मिश्र ने बताया कि आगामी 24 घंटों में हल्के से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है।

20 अगस्त के बाद बिना खाद्य लाईसेंस/पंजीकरण के मांस का विक्रय करने पर होगी कारवाई

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो)। सुरेंद्र कुमार।अयोध्या जिले में बिना लाईसेंस मांस व मांस के उत्पादों की की बिक्री हो रही है। मांस की दुकानों के साथ रेस्टोरेंट, होटलों को इसके लिए अब लाईसेंस लेना अनिवार्य हो गया है। खाद्य आयुक्त अनीता सिंह ने 20 अगस्त तक सभी को लाईसेंस देने की व्यवस्था करने का आदेश जारी किया है। इसके बाद अभियान चलाकर बिना लाईसेंसध्पंजीकरण मांस व मांस उत्पादों की बिक्री करने पर विभाग द्वारा कारवाई की जायेगी। अभी कुछ दिन पहले बिना लाईसेंस के मांस की ब्रिकी करने पर स्टार बेकरी पर खाद्य विभाग के द्वारा कारवाई की गई थी।

सहायक खाद्य आयुक्त मानिक सिंह ने बताया कि मांस बिक्रेताओं को खाद्य लाईसेंस जारी करने के लिए स्लाटर हाउस होना चाहिए। जिसमें कुछ छूट देते हुए खाद्य आयुक्त ने 26 जुलाई को एक आदेश जारी किया है। जिसमें जो गली कूचों में दुकाने खुली है। जिनको लाईसेंस देने का अभी तक प्राविधान नहीं था। उन्हें रेगुलाईज्ड किया जा रहा है। इसके लिए कुछ शर्ते लगू की गई है। 20 अगस्त के बाद बिना लाईसेंस के मांस व मांस उत्पादों की बिक्री करने पर कार्रवाई की जायेगी तथा उसे बंद कराया जायेगा।

सावन मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये आईजी ने दिए आवश्यक निर्देश

अयोध्या। पुलिस प्रशासन सावन मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये अभी से रणनीति बनाने में जुट गई है। जिसको लेकर सोमवार को आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण सिंह ने एसएसपी राज करन नैय्यर के साथ चौकी नयाघाट पर बैठक किया।इस बैठक में उन्होंने पुलिस कर्मियोंध को आवश्यक निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राम नगरी में सावन मेले के चलते दूर दराज से काफी संख्या में भक्तों के आने की संभावना है। वही सावन मेले में कांवड़ियों की अधिक संख्या में भीड़ होने की संभावना को देखते हुए सभी पुलिस कर्मियों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राम नगरी में सामान्य तौर पर जब भारी संख्या में श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ रहती है तो सावन मेला व इस समय कांवड़ियों के आने के चलते यातायात व्यवस्था पर भी दबाव पड़ेगा।

इसके हम सभी पुलिस कर्मियों को आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुये राम नगरी में यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ रखना होना।इस मौके पर एसएसपी राज करन नैय्यर ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया कि अयोध्या अति संवेदनशील जिले में आता है। राम नगरी में किसी भी त्यौहार व पर्व को हल्के में नहीं लेना है बल्कि इसे चुनौती मानते हुए इन पर्वों को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना होगा। आने वाले दिनों में खासकर सावन मेला व इस दौरान कांवड़ियों के भीड़ को लेकर सभी पुलिस कर्मियों को आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए सकुशल ढंग से सम्पन्न कराना होगा।वही छोटी मोटी घटनाओं पर भी विशेष ध्यान रखना होगा। इस मौके पर एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह,एसपी ट्रैफिक आर के गौतम, सीओ अयोध्या,सीओ यातायात प्रमोद कुमार यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

अप मिश्रित शराब और भट्टी के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। बीकापुर अयोध्या अपमिश्रित शराब व शराब बनाने के उपकरण के साथ 1 आरोपी को गिरफ्तार करके कोतवाली पुलिस द्वारा आबकारी एक्ट में चालान किया गया है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार राय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तोरो माफी ग्राम पंचायत में स्थित रामकुण्ड सगरा केराजोत के पास से सोमवार सुबह आरोपी सुरेंद्र निषाद पुत्र हीरलाल निवासी तोरो माफी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से अपमिश्रित शराब व शराब बनाने का उपकरण बरामद हुआ है। इसके अलावा यूरिया उर्वरक, शराब बनाने के उपकरण पतीला, ड्रम, नली, लहन आदि बरामद करने में कोतवाली पुलिस को सफलता मिली है। बीकापुर कोतवाली में आरोपी के विरुद्ध धारा 272 आईपीसी व 60(2) आबकारी एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक अविनाश प्रताप सिह, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार एवं रौनक सिह शामिल रहे।

नशे से बचाव के लिए आपस में संवाद जरूरी : विनोद कुमार सिंघल

संवाददाता

लखनऊ। ऑल इंडिया पयामे इंसानियत फोरम लखनऊ यूनिट द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता एवम पूर्व पार्षद विनोद कुमार सिंघल' की अगुवाई में 'नशा मुक्ति' के विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शहर के सभी धर्मों के सम्मानित वायक्तियों ने शिरकत की सामाजिक कार्यकर्ता एवम पूर्व पार्षद विनोद कुमार सिंघल ने कहा समाज में एकल परिवार का चलन और परिवार के लोगों का आपस में डायलॉग न होना भी एक बहुत बड़ा कारण है इस बुराई की तरफ बढ़ने में , यदि हम लोगों ने आपस में संवाद करना छोड़ दिया तो समाज में नशे की बुरी लत की तरह कई बीमारियां और पैदा हो जाएंगी। कन्वीनर मौलाना इस्तेफाउल हसन नदवी साहब ने पयामे इंसानियत फोरम के बारे में बताते हुए हुए कहां हम सबको अपने समाज की फिक्र होनी चाहिए, हमे अपने आस पास रहने वालों की फिक्र करनी चाहिए के वह किसी तरह की बुराई में न फस जाए,खास कर नशे से अपने मुहल्ले को पाक रखना है जब तक हमारा देश नशा मुक्त नहीं होगा।

नौ अगस्त को हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा रामानुज दास पंडित पुनीत शुक्ल जी महाराज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर विनीतखंड– दो के छठ पूजा पार्क में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिवस नैमिष सीतापुर से पधारे रामानुज दास पंडित पुनीत जी महाराज ने कहा कि मित्रता कृष्ण और सुदामा जैसी करनी चाहिए। जिस रिश्ते में समर्पण नहीं उसे निभाना कठिन हो जाता है। मित्रता करना आसान है निभाना बहुत कठिन है। लोग मित्रता कर तो लेते हैं लेकिन जीवन भर उसे निभा नहीं पाते। मित्रता त्याग और बलिदान चाहती है। त्याग और बलिदान की कसौटी पर खरे उतरने वाले रिश्ते परिपक्व बनते हैं और लंबे समय तक निभाए जाते हैं। श्रीकृष्ण के 16108 विवाह की कथा सुनाई। इसके बाद सुदामा चरित्र की पावन चर्चा की। अंत में परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाते हुए कथा को विश्राम दिया। नौ अगस्त को हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सात दिवसीय कथा के यजमान एस के पाण्डेय, राणा सिंह, श्याम सिंह, गिरीश सिसोदिया, जगत पांडे, राम जीवन वर्मा, आयुष तिवारी,राय जी आदि रहे। रामानुज दास पंडित पुनीत शुक्ल जी महाराज के सहयोगी पंडित शिवम त्रिपाठी, आनंद तिवारी, सतेंद्र मिश्रा, श्याम जी, आनंद सिंह, मुन्नालाल श्रीवास्तव,योगेंद्र सिंह रहे। आयोजक वरिष्ठ समाजसेवी मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि छठ पूजा पाठ में पांचवी श्रीमद् भागवत कथा हो रही है।

पंडित पुनीत शुक्ल जी महाराज ने कहा कि 108 श्रीमद्भागवत कथा करने का संकल्प लिया है, उसमें 32 वीं कथा हो रही है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए एवं परिवार में संस्कार स्थापित करने के लिए श्रीमद् भागवत कथा निःशुल्क करते रहेंगे।

सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ में उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों पर अपने कौशल को निखारेंगे चयनित प्रतिभागी

सीएसआईआर–सीडीआरआई में उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपिक (एनएमआर, एचपीएलसी, एलसी–एमएस, यूवी/आईआर) तकनीकों में कौशल विकास पर सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–एकीकृत कौशल पहल के तहत, उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपिक (एनएमआर, एचपीएलसी, एलसी–एमएस, यूवीध्आईआर) तकनीकों पर एक 08 सप्ताह (02 महीने) का कौशल विकास पाठ्यक्रम सीएसआईआर–केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ 07 अगस्त से 29 सितंबर 2023 तक संस्थान के परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा (सैफ) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सैफ, सीएसआईआर–सीडीआरआई पिछले 47 वर्षों से अधिक समय से विश्लेषणात्मक सेवाएं प्रदान कर रहा है तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत सरकार द्वारा सत्तर के दशक के मध्य में स्थापित ऐसी पहली चार सुविधाओं में से एक है।

स्वागत और परिचय सत्र में कार्यक्रम के समन्वयक एवं प्रधान वैज्ञानिक, डॉ संजीव के शुक्ला ने बताया की इस 2 महीने के पाठ्यक्रम का उद्देश्य ऐसे मानव संसाधन को तैयार करना है जो उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों से प्राप्त जानकारियों (डेटा) के संचालन, नियमित रखरखाव एवं उनके विश्लेषण में पारंगत हो। इस प्रशिक्षण के दौरान अत्याधुनिक उपकरणों जैसे एनएमआर, मास, एचपीएलसी, एफटी–आईआर, यूवी–विज की कार्यप्रणाली से प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इन तकनीकों में बुनियादी और उन्नत प्रयोगात्मक विधियों पर सैद्धांतिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण के बारे में ज्ञान प्रदान करेगा साथ ही औषधि अनुसंधान की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण अणुओं की संरचनात्मक जानकारी को स्पष्ट करने पर समझ और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

डॉ. के. वी. शशिधर, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, प्रमुख सैफ, सीएसआईआर–सीडीआरआई ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा, सीएसआईआर–केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान में एसएआईएफ (सैफ) की अवधारणा जैविक विज्ञान और रसायन के अनुसंधान क्षेत्र में लगे वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हुई है। यह विभिन्न विश्वविद्यालयों, सरकारी अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और उद्योग के शोधकर्ताओं को सहायता प्रदान करता है, जिनके पास ये महंगे और परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण नहीं हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को इस पाठ्यक्रम का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए अगले 02 महीनों का सर्वोत्तम तरीके से उपयोग करने की सलाह भी दी।

इस इंटरैक्टिव परिचयात्मक सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने विस्तार से चर्चा की कि वे इस पाठ्यक्रम के लिए क्यों रुचि रखते हैं, उनकी क्या अपेक्षाएं हैं तथा वे भविष्य में इस पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान का उपयोग कैसे करना चाहते हैं।

इस पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजीव के. शुक्ला ने बताया कि इस कौशल विकास कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैंय प्रभावी प्रशिक्षण के लिए छोटे बैच आकार (केवल 16 प्रतिभागी), लगभग 40: थ्योरी और 60: व्यावहारिक व्यावहारिक सत्र, बुनियादी सिद्धांतों और अनुप्रयोगों को बेहतर ढंग से समझने के लिए मल्टीमीडिया सहायता के साथ व्याख्यान, विविध नमूने (सेंपल) तैयार करने की तकनीकों का प्रदर्शन, पाठ्यक्रम के अनुसार अत्याधुनिक परिष्कृत उपकरण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र। आठ (08) सप्ताह के बाद, प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जाएगा और प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होगा स्वास्थ्य शिविर, योग भगाए रोग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। छात्र– छात्राओं ने योग के कठिन आसनों का अभ्यास किया तथा संकल्प लिया कि हम स्वस्थ भारत का निर्माण करेंगे। योग से रोग मुक्त करेंगे और लोगों को संदेश देंगे कि हम लोग योग करें और कराएं। इसी कड़ी में प्रधानाचार्य पूनम ठाकुर ने बच्चों को स्वस्थ रहकर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर योग के द्वारा बच्चों को स्वस्थ रहने के मूल गुण रहस्य समझाएं। कृष्ण दत्त मिश्रा ने पूरे कैंट छावनी में स्वतंत्रता दिवस पर सभी स्कूलों में शिविर आयोजन शुरू कर दिया है। जश्न ए आजादी के परिवार के सभी सदस्यों ने पूरे लखनऊ में स्वस्थ रहने का बीड़ा उठाया है। बच्चों तक जन–जन तक योग कैसे पहुंचे और एक स्वस्थ भारत का निर्माण कर संकल्प किया। पूरा कार्यक्रम भारतीय आदर्श योग संस्थान परिवार एवं जश्ने आजादी परिवार सम्मिलित है जिसमें खान मैडम और मुरलीधर आहूजा, वामीन खान एवं समस्त जश्न ए आजादी परिवार के लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित हैं।

मजदूरों के सवालों पर श्रम मंत्री से मिला साझा मंच

संवाददाता

लखनऊ। ई श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को लाभार्थी घोषित कर सरकार की हर योजना का लाभ देने और आयुष्मान कार्ड, पेंशन, आवास, बीमा आदि सुविधाएं देने को लेकर आज असंगठित क्षेत्र के साझा मंच का प्रतिनिधिमंडल श्रम मंत्री अनिल राजभर से उनके आवास पर मिला।

एआईटीएफ के पदाधिकारियों की बैठक में तीन दिवसीय खेल प्रतिस्पर्धा की ब्लू प्रिंट की विस्तृत चर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। भारत–नेपाल मैत्री की साझा विरासत को बढ़ाने व तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के मद्देनजर संस्था में संरक्षक व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल के आधिकारिक आवास दिल्ली के 17 फिरोजशाह रोड स्थित में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस विशेष बैठक में दिसंबर में होने वाले तीन दिवसीय खेल प्रतिस्पर्धा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई एवं नवोदित पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। संगठन को विस्तार देते हुए अनेक पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए एवं अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया गया।

संस्था के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता रिजवान रजा ने आयोजन की तैयारियों पर चर्चा के साथ–साथ कार्यक्रम के ब्लूप्रिंट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस खेल प्रतिस्पर्धा में देश–विदेश के 1500 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षक भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन के लिए 15 नवनियुक्त पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई और उनको उनके कार्यक्षेत्र से भी अवगत कराया गया। जिन लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए उनमें सिक्किम क्षेत्र से वरिष्ठ अधिवक्ता रीना राय को संरक्षक बनाया गया। उनके अलावा वरिष्ठ राजनीतिक कार्यकर्ता व उद्यमी हरिकृष्ण द्विवेदी और मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता मोहन ढकोनिया को संरक्षक बनाया गया।

नेपाल क्षेत्र के लिए मीना पांडेय, जीवन शर्मा, नारायण शर्मा, कविता शर्मा, नियोमी खाती, सैयद वसी इमाम एवं राकेश शाह को जनसंपर्क एवं स्वागत टीम में शामिल किया गया। अब्बास हैदर व युवा राजनीतिक कार्यकर्ता व साफ्टवेयर इंजीनियर आशुतोष मिश्रा को कार्यकारी सदस्य एवं राजदा उर्फ चांदनी को स्पांसरशिप मैनेजर एवं कार्यकारी सदस्य मनोनित किया गया। दार्जिलिंग की दीपांजलि क्षेत्री को भी पब्लिक रिलेशन विभाग में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक मानवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी गई। इस बैठक में विशेष तौर पर संस्था के संरक्षक व किसान नेता अखिलेश शुक्ला, फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ताइक्वांडो प्रशिक्षक मास्टर जितेंद्र सिंह, मीडिया विभाग के प्रमुख व राजनीतिक विश्लेषक रितेश सिन्हा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी व प्रशिक्षक रेखा सिंह, मीडिया विभाग में समन्वयक सुधीर कुमार सहित उपस्थित रहे। बैठक में युवा ताइक्वांडो प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत परिचय भी दिया।

एसटीएफ ने 50,000 रुपए के इनामी पप्पू गंजिया को किया गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की फील्ड इकाई ने रंगदारी मांगने के मामले में काफी समय से फरार और आईएस गैंग 227 के सक्रिय सदस्य जावेद उर्फ पप्पू गंजिया को सोमवार को राजस्थान के अजमेर से गिरफ्तार कर लिया। उपाधीक्षक (एसटीएफ) नवेंदु कुमार के मुताबिक, जावेद उर्फ पप्पू गंजिया पर नैनी थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 386 (हत्या या गंभीर चोट पहुंचाने का डर दिखाकर जबरन वसूली करना), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 506 (आपराधिक धमकी देना) के तहत मुकदमा दर्ज है। उन्होंने बताया कि पप्पू गंजिया को सोमवार को नोएडा की एसटीएफ टीम के साथ मिलकर अजमेर से गिरफ्तार कर लिया गया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।